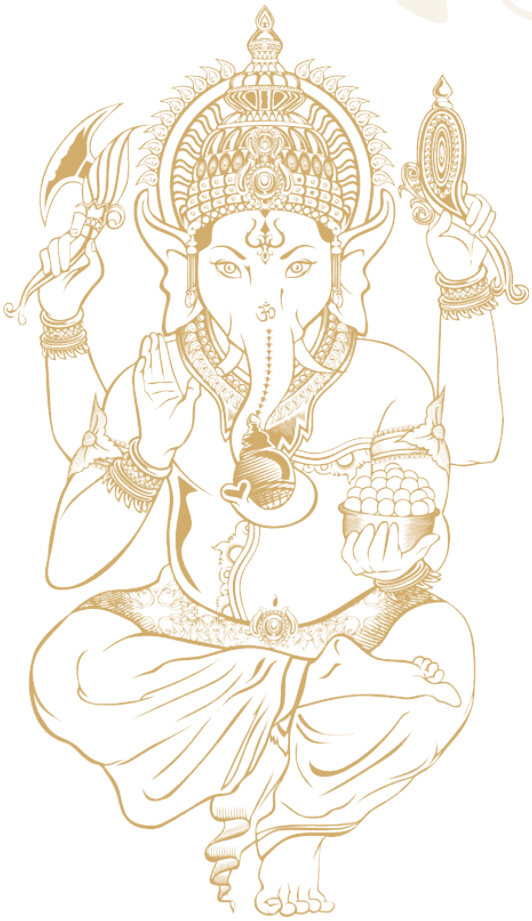

Mayur Ridhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120144901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120144901 Date: 14/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/06/1996	जन्म तिथि	12/12/1997
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 20:57:00	जन्म समय	08:15:00 घंटे
घटी 37:18:19	जन्म समय(घटी)	03:01:50 घटी
India	देश	India
Thane	स्थान	Ahmedabad
19:12:00 उत्तर	अक्षांश	23:03:00 उत्तर
72:58:00 पूर्व	रेखांश	72:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:08	स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:40	सूर्योदय	07:10:58
19:18:35	सूर्यास्त	17:55:13
23:48:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:37
मकर	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
सिंह	राशि	वृष
सूर्य	राशि-स्वामी	शुक्र
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	कृतिका
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	2
सिद्धि	योग	शिव
गर	करण	तैतिल
टा-टाटा	जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	चतुष्पाद
मूषक	योनि	मेष
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	गरूड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 3मा 1दि		02:20:46	मक	लग्न	धनु	09:59:25	सूर्य 4वर्ष 3मा 30दि	
मंगल		07:39:51	मिथु	सूर्य	वृश्चि	26:16:50	राहु	
24/09/2022		19:49:48	सिंह	चंद्र	वृष	00:22:21	12/04/2019	
24/09/2029		13:19:24	वृष	मंगल	मक	01:22:06	12/04/2037	
मंगल	20/02/2023	18:18:45	वृष	बुध व	धनु	07:45:05	राहु	24/12/2021
राहु	10/03/2024	20:26:52	धनु व	गुरु	मक	24:34:21	गुरु	18/05/2024
गुरु	14/02/2025	19:48:03	वृष व	शुक्र	मक	06:08:00	शनि	25/03/2027
शनि	25/03/2026	13:00:53	मीन	शनि व	मीन	19:43:28	बुध	12/10/2029
बुध	23/03/2027	19:42:17	कन्या व	राहु व	सिंह	20:55:22	केतु	30/10/2030
केतु	19/08/2027	19:42:17	मीन व	केतु व	कुंभ	20:55:22	शुक्र	30/10/2033
शुक्र	18/10/2028	10:00:37	मक व	हर्ष	मक	12:18:22	सूर्य	24/09/2034
सूर्य	23/02/2029	03:13:55	मक व	नेप	मक	04:26:14	चन्द्र	24/03/2036
चन्द्र	24/09/2029	07:07:40	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:12:29	मंगल	12/04/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:32 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:37

लग्न-चलित

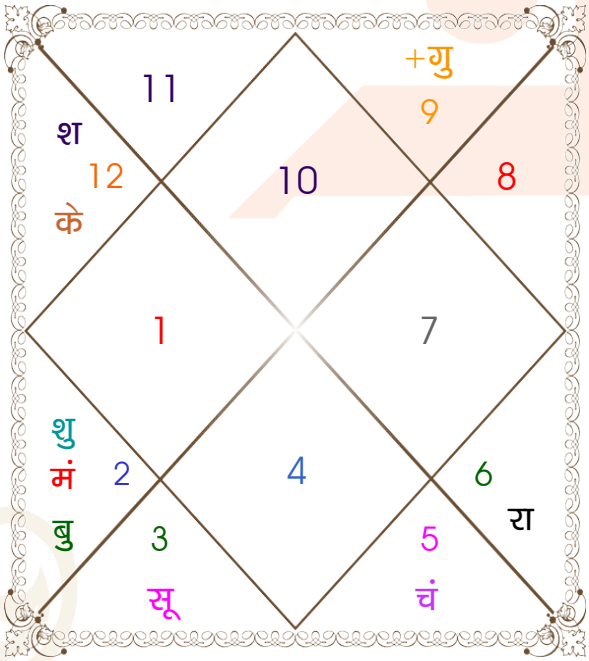

लग्न-चलित

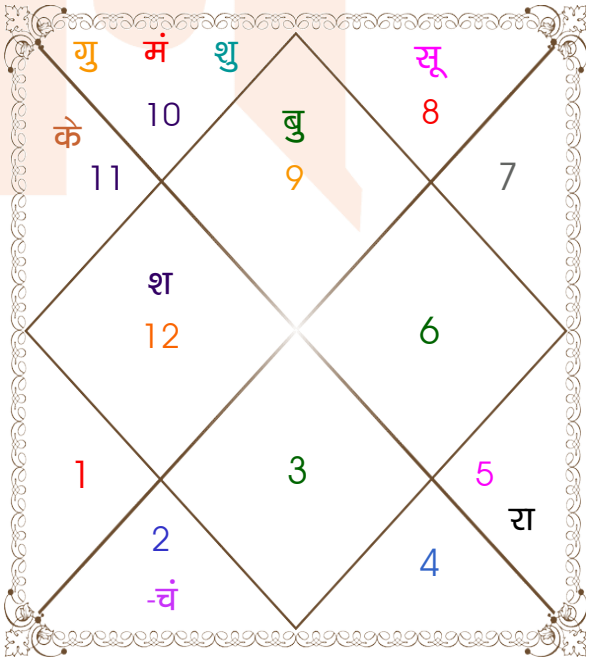

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

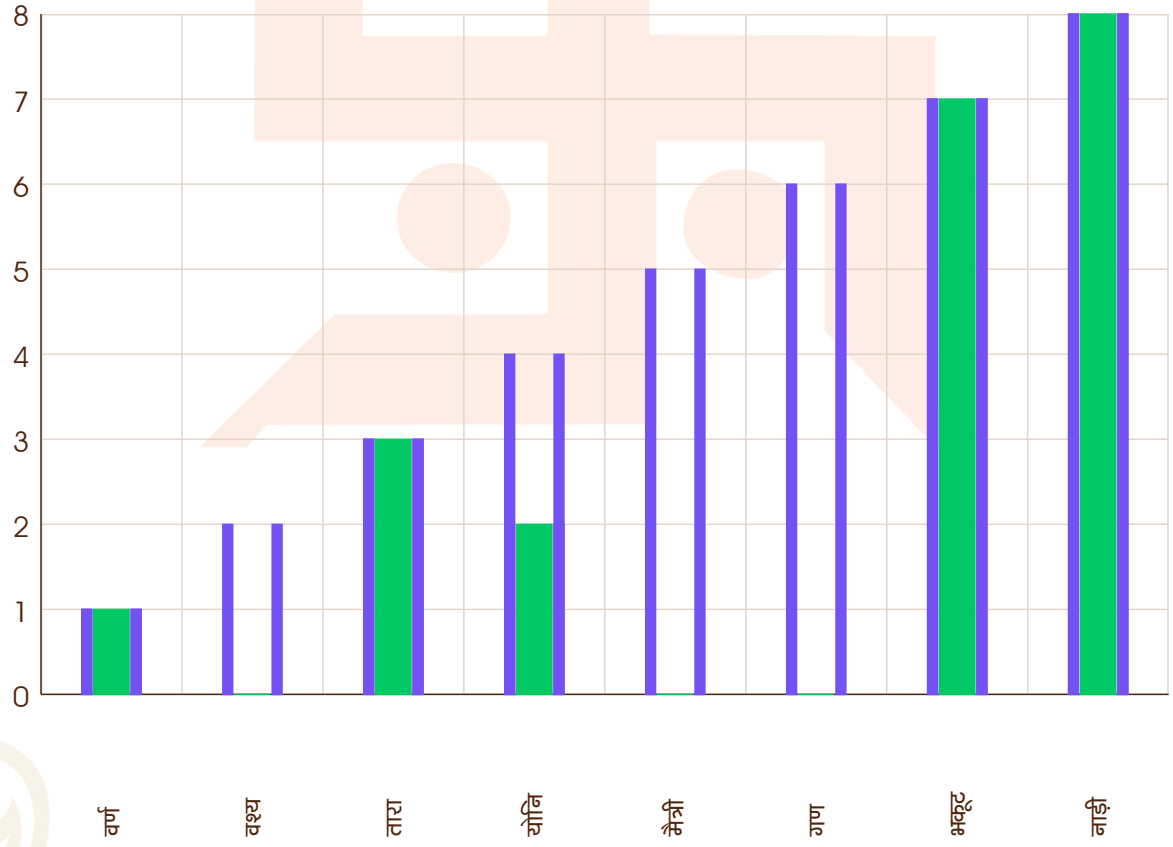

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डंलनत का वर्ग श्वान है तथा त्पकीप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंलनत और त्पकीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डंलनत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्पकीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डंलनत तथा त्पकीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डंलनत का वर्ण क्षत्रिय तथा त्पकीप का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश त्पकीप आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही त्पकीप की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

डंलनत का वश्य वनचर है एवं त्पकीप का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर डंलनत एवं चतुष्पद त्पकीप का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। डंलनत निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह त्पकीप को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है त्पकीप को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

डंलनत की तारा अतिमित्र तथा त्पकीप की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। डंलनत हमेशा त्पकीप के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

डंलनत की योनि मूषक है तथा त्पकीप की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता

है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डंलनत एवं त्पकीप दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण डंलनत एवं त्पकीप के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी डंलनत दवं त्पकीप को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

डंलनत का गण मनुष्य तथा त्पकीप का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः त्पकीप का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण डंलनत एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

डंलनत से त्पकीप की राशि दशम भाव में स्थित है तथा त्पकीप से डंलनत की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डंलनत एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। त्पकीप को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। त्पकीप हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

डंलनत की नाड़ी मध्य है तथा त्पकीप की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण डंलनत एवं त्पकीप के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डंलनत की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह राशि है तथा त्पकीप की पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं पृथ्वी तत्व के मध्य विषमता का भाव रहता है। अतः डंलनत और त्पकीप के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर उनके परस्पर विवाद तथा मतभेद उत्पन्न होते रहेंगे।

डंलनत की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा त्पकीप की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु है। अतः इसके प्रभाव से डंलनत और त्पकीप का दाम्पत्य संबध अच्छा नहीं रहेगा। इनकी प्रवृति परस्पर विवाद एवं वैमनस्य के भाव से युक्त होगी तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। फलतः संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण समर्पण एवं सहयोग की भावना में न्यूनता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

डंलनत और त्पकीप की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके आनंद के कुछ क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ हो सकते हैं। साथ ही जीवन में सुख संसाधनों की प्राप्ति करके उनके उपभोग करने में भी डंलनत और त्पकीप को सफलता प्राप्त होगी।

डंलनत का वश्य वनचर तथा त्पकीप का वश्य चतुष्पद है नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः डंलनत और त्पकीप की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डंलनत का वर्ण क्षत्रिय तथा त्पकीप का वर्ण वैश्य है। डंलनत की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने की रहेगी तथा त्पकीप व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही धनार्जन के प्रति हमेशा प्रवृत रहेंगी।

धन

डंलनत का जन्म अतिमित्र तथा त्पकीप का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से त्पकीप एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा त्पकीप के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार डंलनत और त्पकीप आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

डंलनत और त्पकीप को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की

संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

डंलनत की नाड़ी मध्य तथा त्पकीप की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से डंलनत और त्पकीप दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा डंलनत और त्पकीप सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डंलनत और त्पकीप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डंलनत और त्पकीप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में त्पकीप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन त्पकीप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में त्पकीप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डंलनत और त्पकीप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डंलनत और त्पकीप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

त्पकीप के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा

परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही त्पकीप सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि त्पकीप किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी त्पकीप को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण त्पकीप के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

डंलनत के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही डंलनत भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी डंलनत के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण डंलनत के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।